K18P 0979

Reg. No. : .....

Name : .....

GOVT. BRENNEN COLLEGE
CENTRAL LIBRARY
THALASSERY

Third Semester M.A. Degree (Reg./Suppl./Imp.) Examination, October 2018

HINDI LANGUAGE AND LITERATURE

(2014 Admn. Onwards)

HIN3C13 : Modern Hindi Short Stories

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

I. **निर्देश : तीन** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : (3×2=6)

1) यशपाल की कहानियों की तीन विशेषताएँ ।

2) प्रेमचन्द की कहानियों (10) के नाम लिखिए ।

3) दलित कहानी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देनेवाले कहानिकारों का उल्लेख कीजिए ।

4) प्रेमचंद युग की कहानियों की तीन विशेषताएँ लिखिए ।

5) पूस की रात कहानी के प्रमुख पात्र की दो विशेषताएँ ।

II. **निर्देश : चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (4×5=20)

6) महिला कहानिकारों में उषा प्रियंवदा का स्थान ।

7) उदयप्रकाश की तिरिछ कहानी की प्रमुख समस्याएँ ।

8) समकालीन कहानी की विशेषताएँ ।

9) आकाश दीप कहानी के कथ्यपक्ष पर विचार कीजिए ।

10) दादी अम्मा कहानी की संवेदना पर प्रकाश डालिए ।

11) नयी कहानी की प्रवृत्तियों पर विचार कीजिए ।

P.T.O.

III. **निर्देश : तीन** प्रश्नों पर निबंध लिखिए : **(3×12=36)**

12) समकालीन हिन्दी कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

13) हिन्दी कहानी की विकास यात्रा का परिचय दीजिए ।

14) पठित कहानियों के आधार पर यशपाल और प्रेमचंद की कहानी कला की तुलना कीजिए ।

15) निर्मलवर्मा की कहानी कला पर प्रकाश डालिए ।

16) समकालीन कहानी के क्षेत्र में उदयप्रकाश और संजीव की देन पर विचार कीजिए ।

IV. **निर्देश** : किन्हीं **तीन** प्रश्नों के सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(3×6=18)**

17) किस्सा और क्या होगा, रमैन की बात है । वही राम, वही सीता, वही लखनलला और वही रावन । सिया सुकुमारी की रामजी से छीनने के लिए रावन तरह-तरह का रूप धारकर आता है । राम और सीता रूप बदल लेते हैं ।

18) हल्कू ने रुपए लिये और इस तरह बाहर चला मानो अपना हृदय निकालकर देने जा रहा हो । उसने मजूरी से एक-एक पैसा काट-काटकर तीन रुपए कम्बल के लिए जमा किये थे । वह आज निकल जा रहे थे ।

19) मैं ईश्वर को नहीं मानता, मैं पाप को नहीं मानता, मैं दया को नहीं समझ सकता, मैं उस लोक में विश्वास नहीं करता । पर अपने हृदय के एक दुर्बल अंश पर श्रद्धा हो चली है ।

20) डौली ने अपनी भोली, नीली आंखे आया के मुख पर गडा कर पूछा... आया.... माली के बच्चे को क्यों गरम पानी में डुबो दिया ।

21) अनंत जलनिधि में उषा का मधुर आलोक फूट उठा । सुनहली किरणों और लहरों की कोमल सृष्टि मुस्कराने लगी । सागर शांत था । नाविकों ने देखा, पोत का पता नहीं । बंदी मुक्त है ।